सुश्री शर्मिष्ठा दासगुप्ता, उप महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक का मध्य प्रदेश दौरा



सुश्री शर्मिष्ठा दासगुप्ता, उप महानिदेशक (DDG) एवं राज्य समन्वयक ने 10 से 12 नवंबर, 2026 तक भोपाल का दौरा किया। तीन दिवसीय इस दौरे के दौरान वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ कई बैठकें हुईं, प्रमुख आईसीटी अवसंरचना एवं ई-गवर्नेंस पहलों की समीक्षा की गई, राज्य एवं जिला स्तर के अधिकारियों से संवाद हुआ तथा उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML), पर ज्ञान-साझाकरण सत्र आयोजित किए गए।

इस दौरे से राज्य में चल रही डिजिटल पहलों की प्रगति का आकलन करने, विभिन्न विभागों की अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं को समझने, प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन को सुदृढ़ करने के उपाय तलाशने तथा सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग के अवसरों की पहचान करने का महत्वपूर्ण अवसर मिला।

दिन 1: आईसीटी अवसंरचना की समीक्षा एवं संस्थागत संवाद

1. **हवाई अड्डे पर स्वागत**: श्री सुनील जैन, एसआईओ; सुश्री सुनीता जैन, महाप्रबंधक (NICSI); श्री राकेश जैन, वरिष्ठ निदेशक (आईटी); तथा श्री एम. एल. अहिरवार, जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी (DIO), भोपाल ने हवाई अड्डे पर पुष्पगुच्छ देकर अतिथि का स्वागत किया।



2. **भोपाल हवाई अड्डे पर आव्रजन, वीज़ा, विदेशी नागरिक पंजीकरण एवं ट्रैकिंग (IVFRT) परियोजना:** एनआईसी के निदेशक (आईटी) एवं IVFRT परियोजना के प्रभारी अधिकारी श्री प्रशांत करोले ने IVFRT इकाई की गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी दी।

3. **प्रस्तावित राष्ट्रीय डेटा केंद्र:** सुश्री दासगुप्ता ने भोपाल स्थित आईटी पार्क में राष्ट्रीय डेटा केंद्र के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया।



4. **सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (STPI), आईटी पार्क, भोपाल:** STPI भोपाल के निदेशक श्री रवि वर्मा ने एनआईसी टीम का स्वागत किया और STPI की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। टीम ने STPI एवं एनआईसी के बीच सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।



5. **एनआईसी जिला केंद्र, भोपाल:** श्री एम. एल. अहिरवार ने जिला प्रशासन तथा संभागीय आयुक्त कार्यालय को जिला केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही गतिविधियों एवं सेवाओं की जानकारी दी।



6. **एनआईसी केंद्र, राज्य सचिवालय:** वरिष्ठ निदेशक (आईटी) श्री धर्मेंद्र जैन ने मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय तथा राज्य सचिवालय को एनआईसी राज्य सचिवालय केंद्र द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी दी।

7. **राज्य सचिवालय नेटवर्क ऑपरेशंस सेंटर (NoC):** वैज्ञानिक 'सी' सुश्री विभा कुरेले ने राज्य सचिवालय केंद्र में स्थापित 6,500 नोड वाले LAN नेटवर्क तथा समर्पित NoC के माध्यम से उसके संचालन एवं निगरानी की जानकारी दी।



8. **राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (NKN)-पॉइंट ऑफ प्रेज़ेंस (PoP):** श्री राकेश जैन ने NKN अवसंरचना तथा NKN टीम द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी दी।



9. **विंध्याचल भवन नेटवर्क ऑपरेशंस सेंटर (NoC):** श्री प्रदीप अहिरवार, वैज्ञानिक 'डी', ने 3,500 नोड वाले LAN नेटवर्क तथा विंध्याचल भवन स्थित मध्य प्रदेश शासन के 20 से अधिक निदेशालयों/कार्यालयों को उपलब्ध नेटवर्क कनेक्टिविटी की जानकारी दी।

दिन का कार्यक्रम सतपुड़ा भवन स्थित एनआईसी, मध्य प्रदेश राज्य केंद्र के दौरे के साथ संपन्न हुआ। इस प्रकार संस्थागत एवं अवसंरचनात्मक गतिविधियों का व्यापक कार्यक्रम पूरा हुआ।

दिन 2: शासन के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ संवाद एवं ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की समीक्षा

दौरे के दूसरे दिन राज्य सरकार के साथ सहयोग को सुदृढ़ करने तथा चल रही ई-गवर्नेंस पहलों की प्रगति एवं भविष्य की संभावनाओं की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया।

1. मध्य प्रदेश विधानसभा

माननीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ बैठक हुई।

सुश्री दासगुप्ता, श्री सुनील जैन, सुश्री सुनीता जैन तथा एनआईसी टीम ने विधानसभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की। अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश विधानसभा को एनआईसी द्वारा प्रदान की जा रही आईसीटी सेवाओं की सराहना की तथा एनआईसी द्वारा कार्यान्वित राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन (NeVA) परियोजना की स्थिति की समीक्षा की।

विधानसभा के अधिकारियों ने कुछ आवश्यकताएँ बताईं और विभिन्न उपयोग-प्रकरणों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया।



अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने एनआइसी के अफसरों के साथ की चर्चा

विधायकों के प्रश्नों को छोटा व व्यवस्थित बनाने एआइ से लैस होगी मप्र की विधानसभा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पेपरलेस कार्यप्रणाली के साथ अब मध्यप्रदेश की विधानसभा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) से लैस होगी। एआइ के माध्यम से विधायकों के लंबे प्रश्नों को छोटा और व्यवस्थित करने, प्रस्तावों, जवाबों आदि को समराइज करने, बड़े विधेयकों और प्रस्तावों आदि की समरी बनाने में इसका उपयोग किया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को विधानसभा में नेवा और एनआइसी के अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें विधानसभा एवं सदन को आधुनिक बनाने पर मंथन हुआ।



नेवा और एनआइसी की आरएंडी टीम के साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

विधानसभा की प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर जोर

विस अध्यक्ष तोमर ने नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन तथा एआइ के प्रभावी उपयोग और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई। एनआइसी के अधिकारियों ने एआइ के उपयोग का डेमो दिया। इसमें प्रश्नावली में बड़े प्रश्न आने पर एआइ के माध्यम से उन्हें संक्षिप्त करने की प्रक्रिया बताई गई। बैठक में एआइ से विधानसभा की विभिन्न प्रक्रियाओं और कार्यों को सरल, प्रभावी और स्वचालित बनाने के पहलुओं पर चर्चा हुई। नेवा फंक्शन में दिक्कतों की जानकारी भी ली गई।

विधान सभा के सदन का दौरा

संयुक्त निदेशक (आईटी) श्री राजेंद्र पटेल ने विधानसभा परिसर एवं सदन का विस्तृत भ्रमण कराया और विधानसभा की आईसीटी सेवाओं एवं संचालन के बारे में बताया।



2. मध्य प्रदेश शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

इसके बाद सुश्री दासगुप्ता ने मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद किया। इनमें गृह, सूचना प्रौद्योगिकी, मुख्यमंत्री कार्यालय तथा श्रम विभाग के प्रमुख सचिव/संबंधित वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इन बैठकों में विभागीय प्राथमिकताओं को समझने, राज्य के डिजिटल गवर्नेंस एजेंडे को समर्थन देने में एनआईसी की भूमिका पर चर्चा करने तथा ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का अवसर मिला जहाँ प्रौद्योगिकी के हस्तक्षेप से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

प्रमुख सचिव, श्रम के साथ उनकी बैठक विशेष रूप से सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय रही, जिसने दोनों अधिकारियों के बीच सकारात्मक संबंध और पारस्परिक सम्मान को दर्शाया।



मध्य प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) तथा सामान्य प्रशासन विभाग के श्री एम. सेल्वेंद्रन के साथ बैठक।



मध्य प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव (गृह) श्री संजय शुक्ला के साथ बैठक।



मुख्यमंत्री के सचिव श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के साथ बैठक।

मध्य प्रदेश शासन के सचिव (श्रम) श्री आर. रघुराज के साथ बैठक।

3. एनआईसी, मध्य प्रदेश राज्य केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

दिन का एक प्रमुख कार्यक्रम एनआईसी, मध्य प्रदेश राज्य केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक थी। इस दौरान अधिकारियों ने अपनी-अपनी ई-गवर्नेंस पहलों, सेवाओं एवं परियोजनाओं पर प्रस्तुतियाँ दीं। प्रस्तुतियों में राज्य-स्तरीय महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म की प्रमुख विशेषताओं, हितधारकों, कार्यान्वयन पहलों तथा परिचालन संबंधी पहलुओं को शामिल किया गया।



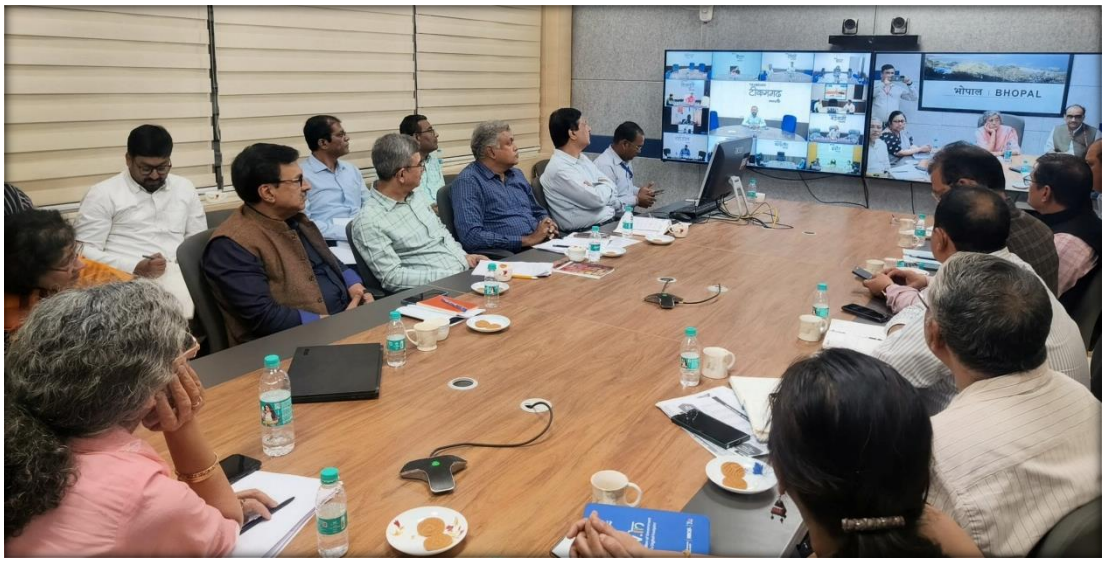


इन प्रस्तुतियों के आधार पर AI एवं अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके परियोजनाओं के मूल्य और प्रभावशीलता को बढ़ाने के नए अवसरों पर सार्थक चर्चा हुई। सुश्री दासगुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि स्थापित ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म केवल अपनी मौजूदा कार्यक्षमताओं तक सीमित न रहें, बल्कि उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाकर निरंतर विकसित हों। उन्होंने विशेष रूप से मौजूदा प्रणालियों को बेहतर बनाने, निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार करने तथा सरकार को अधिक मूल्य प्रदान करने में AI की क्षमता को रेखांकित किया।

4. एनआईसी जिला केंद्रों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

जिला केंद्रों में पदस्थ एनआईसी अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। अधिकारियों ने जिला प्रशासन को जिला स्तर पर एनआईसी द्वारा प्रदान की जा रही गतिविधियों एवं सेवाओं की जानकारी दी। इस संवाद से जमीनी स्तर पर प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक उपयोग तथा डिजिटल गवर्नेंस को सुगम बनाने में एनआईसी जिला केंद्रों की भूमिका को समझने में मदद मिली।





सुश्री दासगुप्ता ने सभी अधिकारियों को अपने सॉफ्टवेयर विकास कौशल को उन्नत करने, विकास-उन्मुख परियोजनाओं को सक्रिय रूप से हाथ में लेने तथा वास्तविक एवं बड़े स्तर पर उपयोग किए जा रहे एप्लिकेशनों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए राज्य केंद्र की सॉफ्टवेयर विकास टीमों के साथ सहयोग करने की सलाह दी।

दिन 3: कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग पर ज्ञान-साझाकरण



दौरे के अंतिम दिन सुश्री दासगुप्ता द्वारा उभरती प्रौद्योगिकियों पर ज्ञान-साझाकरण सत्र आयोजित किया गया।

सत्र के दौरान उन्होंने प्रतिभागियों को मशीन लर्निंग की महत्वपूर्ण अवधारणाओं एवं अनुप्रयोगों से परिचित कराया तथा एनआईसी में विकसित या उपलब्ध कराए गए विभिन्न AI टूल्स के बारे में जानकारी दी। चर्चा में शासन प्रक्रियाओं में परिवर्तन लाने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा अधिक बुद्धिमान डिजिटल समाधान विकसित करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया गया।

इस सत्र के माध्यम से अधिकारियों एवं तकनीकी टीमों को इन क्षमताओं का पता लगाने तथा अपने कार्यों में क्रमशः AI-सहायित तरीकों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।





दौरे का समापन सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसके बाद सुश्री दासगुप्ता भोपाल से रवाना हुईं।





मध्य प्रदेश के डिजिटल गवर्नेंस विज़न को सुदृढ़ करना

सुश्री शर्मिष्ठा दासगुप्ता का आधिकारिक दौरा मध्य प्रदेश की डिजिटल परिवर्तन पहलों को समर्थन देने की एनआईसी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, विभागीय नेतृत्व, जिला अधिकारियों तथा एनआईसी कर्मियों के साथ उनके संवाद से राज्य की वर्तमान आईसीटी पहलों, संस्थागत आवश्यकताओं और भविष्य की प्रौद्योगिकी संबंधी प्राथमिकताओं का व्यापक परिप्रेक्ष्य प्राप्त हुआ।

पारंपरिक ई-गवर्नेंस एप्लिकेशनों से आगे बढ़कर बुद्धिमान, AI-सक्षम तथा डेटा-आधारित प्रणालियों की ओर अग्रसर होना पूरे दौरे के दौरान चर्चा का एक महत्वपूर्ण विषय रहा। विचार-विमर्श में सरकारी सेवाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए निरंतर नवाचार, संस्थागत सहयोग को मजबूत करने तथा उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

इस दौरे के आयोजन एवं संचालन में एनआईसी मध्य प्रदेश की राज्य टीम ने सहयोग दिया। टीम का **नेतृत्व श्री सुनील जैन, वैज्ञानिक 'जी', उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने किया। टीम में सुश्री अर्पिता बर्मन, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (राज्य); श्री वर्गीज अब्राहम, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (जिला); तथा श्री राहुल कुमार चटर्जी, वैज्ञानिक 'एफ' एवं अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी (जिला) शामिल थे।**

तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन सकारात्मक एवं रचनात्मक वातावरण में हुआ। इसने प्रौद्योगिकी-आधारित नवाचार, सरकारी विभागों के साथ सहयोग तथा एनआईसी में क्षमता निर्माण के महत्व की पुनः पुष्टि की। दौरे के दौरान साझा किए गए विचारों एवं मार्गदर्शन से मध्य प्रदेश में ई-गवर्नेंस पहलों को आगे विकसित करने में नई गति मिलने की अपेक्षा है। इसमें अधिक दक्ष, उत्तरदायी एवं जवाबदेह शासन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग तथा उन्नत डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर नया ध्यान केंद्रित किया जाएगा